INDIA NON JUDICIAL

१०००रु. | Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हज़ार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

दर्शन पंजी से मिलान कर ठीक सही पाया।

28/1/05

28/1/05

सपथ पत्र संख्या 92 दि० 28/1/05

नाम - मोकीर

मेघराज महतो पिता स्व० मुला महतो जाति - ग्वाला पेसा - गृहस्थी, सा० मौजा - नगवाँ, वार्ड नं० - 11, प्र० अहुरी, थाना - पीसर वो जिला - चतरा।

सपथ पत्र संख्या 93 दि 28/1/05

नाम - मोकीर - अलैहा

श्रीमती सरस्वती देवी धर्मपत्नि श्री नेमधारी यादव जाति ग्वाला भारतीय पेसा गृहस्थी, सा० मौजा - करमा, पोस्ट - तुमबुल, प्र० कैन्डी, थाना वो जिला - चतरा।

किस्म - वसिका

केवाला - बैय - लाकलामी (Sale deed)

INDIA NON JUDICIAL

१000रु. Rs 1000

सत्यमेव जयते
भारत

एक हज़ार रूपये ONE THOUSAND RUPEES

जरसमन (मुल्य)

मो० 1,00000/- एकलाख रूपये
मात्र नकद।

तफसील जायदाद सैय मोबईया

मवाजी ०५ 1/2 डि० (पाँच पुर्णांक एक बटा दो डिसमिल) जमीन आवासीय हकियत रैयती कायमी खरीदगी बाके मौजा नगवाँ, प्र० अहुरी, थाना नं०-1८2, थाना व जिला रजि० व जिला- चतरा अन्दर नगर पालिका चतरा वार्ड नं०-11, के तौजी नं०-2८ खेवट नं० हाल-1 के अन्दर खाता नं०-114 (एक सौ चौदह) प्लौट नं०-578 (पाँच सौ अठहत्तर) रकबा 38 डि० (अड़तीस डिस०) मध्ये रकबा ०5 1/2 डि० (पाँच पुर्णांक एक बटा दो डिस०) वर्तमान चौहद्दी उत्तर :- आज खरीदगी श्रीमती शान्ति देवी पति श्री वासुदेव यादव दक्षिण :- हिस्सेदार मसो० कौशिल्या देवी पति स्व०

INDIA NON JUDICIAL

१०००रु.

Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हज़ार रूपये ONE THOUSAND RUPEES

रामा महतो पुरब - रास्ता। पश्चिम :-
रघुनन्दन यादव वो दशरथ यादव
बाकि है।

सैय मौवईया जायदाद का मापी

लम्बाई उत्तर तरफ पुरब से पश्चिम
७२' ८" (बहत्तर फीट आठ इंच)
लम्बाई दक्षिण तरफ पुरब से पश्चिम
८५' १०" (पचासी फीट दस इंच)
चौड़ाई पुरब तरफ उत्तर से दक्षिण -
३१' ४" (इकत्तीस फीट चार इंच)
चौड़ाई पश्चिम तरफ उत्तर से दक्षिण -
३२' (बत्तीस फीट) है।

मालगुजारी :- सालाना मो० ०.१५
पैसे + शेष।

मालीक :- झारखण्ड सरकार अँचल -
चतरा।

यह कि उक्त जायदाद अन्दर
खाता न० ११४ प्लौट न० ५६८ वोगर
खाता प्लौटों के साथ सर्वे में रामदयाल
गोप वल्द मौकीर के दादा के नाम से

INDIA NON JUDICIAL

५००रु.

R$ 500

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच सौ रुपये FIVE HUNDRED RUPEES

दर्ज है. राम दयाल गोप के एक मात्र
सन्तान मुला गोप थे. तथा मुला गोप
के इन्तकाल हो जाने पर उनके चार
पुत्र ① मेघराज महतो ② मानकी महतो
③ रामा महतो बोलदुखेन महतो उक्त
सभी जायदाद पर कायम काबिज वो
दखलकार रहते हुए वो बजरिये केवाला नं.
३१६ ता० ३०-१.१९६८ को पुरे खाता का
२ए०१६ डि० वो खाता २६ का ४३ डि०ए०
जमा २ए० ६२ डि० जमीन युगल किशोर
जायसवाल के साथ बिक्री किये थे।
फिर युगल किशोर जायसवाल से
बजरिये केवाला विक्रय पत्र नं० ३२६/६६
बुक १ भो० ६ पेज ३६ ता ३८ तारीख
२४.१.१९६६ को मन-मोहोर ने अपने
नाम से खरीद किया है कि मन मोहोर
ने मवाजी ०४ डि० जमीन केवाला नं० ५३६२
ता० ६-११-६८ के द्वारा श्रीमती कलावती
देवी के नाम से वो ०४½ डि० केवाला नं०
६३४ ता० २६.२.६६ के द्वारा श्री वकील
साहु के नाम से बिक्री किया था जिसे
दोनों से पुनः केवाला नं० ४४०६ तारीख-
२८-६-2002 के द्वारा वापस खरीद लिया

कि उपरोक्त जायदाद का दाखिल खारिज
वकील साहु व कलावती देवी ने
नहीं कराया और न ही काबिज दाखिल
रहा कि खरीदगी तारीख से मन-मोकिर
उपरोक्त जायदाद पर शान्ति पूर्वक एवं
निर्विवाद कायम व काबिज दाखिलकार
चले आते हैं व हैं जिसका सरकारी
मालगुजारी रसीद झारखण्ड सरकार
(तत्कालीन बिहार सरकार) अँचल चतरा
से दा० खा० केस नं० ४२०/९८-९९ दि०
२०/९९-९९
१०-६-९९ के द्वारा स्वीकृत होकर पंजी II
के पृष्ठ सं० ३०१३ में दर्ज होकर मन-
मोकिर के नाम से निर्गत होता आ
रहा है व है।

यह कि मन-मोकिर को
जरूरत रुपया वास्ते करने कार्य
चन्द जाराज व जरूरी के असद है।
इसलिए मन-मोकिर उपरोक्त जायदाद
को बवुश रुबा वो शाफत बहाल्लत
सेहत ज्ञात वो सबात अक्ल के
बजदल किमत अदद मो० १,००,०००/-
एक लाख रुपये नकद अरसलान

INDIA NON JUDICIAL

५०० रु. Rs 500

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच सौ रुपये FIVE HUNDRED RUPEES

दर्ज है। रामदयाल गोप के एक मात्र
सन्तान मुला गोप थे। तथा मुला गोप
के इन्तकाल हो जाने पर उनके चार
पुत्र ① मेघराज महतो ② मानकी महतो
③ रामा महतो वो दुखन महतो उक्त
सभी जायदाद पर कायम काबिज वो
दखलकार हुए वो बजरिए केवाला नं.
३१८ ता० ३०-१.१९६८ को पुरे खाता का
२५१९ डि० वो खाता २६ का ४३ डिसमिल
जमा २५६२ डि० जमीन युगल किशोर
जायसवाल के साथ बिक्री किये थे।
फिर युगल किशोर जायसवाल से
बजरिये केवाला विक्रय पत्र नं० ३२६/६६
बुक १ भौ० ६ पेज ३६ ता ३८ तारीख
२४.१.१९६६ को मन-मोहर ने अपने
नाम से खरीद किया है कि मन मोहर
ने मवाजी ०४ डि० जमीन केवाला नं० ५३६२
ता० ६-११-६५ के द्वारा श्रीमती कलावती
देवी के नाम से जो ०४½ डि० केवाला नं०-
६३४ ता० २६.२.६६ के द्वारा श्री चमेल
साहु के नाम से बिक्री किया था जिसे
दोनों से पुनः केवाला नं० ४४०६ तारीख -
२५-६-२००२ के द्वारा वापस खरीद लिया

INDIA NON JUDICIAL

५००रु.

सत्यमेव जयते

भारत

Rs 500

पाँच सौ रुपये FIVE HUNDRED RUPEES

कि उपरोक्त जायदाद का दाखिल खारिज
वकील साहु को कलावती देवी ने
नहीं कराया और ना ही काबिज दखल
रहीं कि खरीदगी तारीख से मन-मोकिर
उपरोक्त जायदाद पर शान्ति पूर्वक एवम्
निर्विवाद कायम व काबिज दखलकार
चले आते हैं व हैं जिसका सरकारी
मालगुजारी रसीद झारखण्ड सरकार
(तत्कालीन बिहार सरकार) अँचल चतरा
से दा० खा० केश नं० ४२०/६५-६६ दि०
२०/६६-६६
१०.६.६६ के द्वारा स्वीकृत होकर पंजी II
के पृष्ठ सं० ३०१३ में दर्ज होकर मन-
मोकिर के नाम से निर्गत होता आ
रहा है व है।

यह कि मन-मोकिर को
जरूरत रुपया वास्ते करने कार्य
चन्द जायज व जरूरी के असद है।
इसलिए मन-मोकिर उपरोक्त जायदाद
को बकुल रकबा व शामिल बहाहक
सहत जात व सवात अवकल के
बजदत्त किमत अबल मो० १,००,०००/-
एक लाख रुपये नकद अरसलन

पाकर साथ जमिा कुल हक हकूक के बनाम वो बहक मोकीर अलैह सदर के बेचा वो केवाला बैय-ला-कलामी हाजा तहरीर व तामील किया वो तारीख ईमरोजा से बजाए अपने मालीक मुस्तकिल गर्दाना वो पूरा पूरा दखल कब्जा दे दिया अब मन-मोकीर वो वारिसान कायम मोकामीयान मन-मोकीर को उक्त जायदाद से कोई वास्ता सरोकार हकदावा दखलकब्जा नहीं रहा औ ना होगा औना कैसी वो उपरोक्त जायदाद में कोई आईन मुकल्ल खलल या अधिकारादि का विवाद नहीं है बाद। अगर खिलाफ इसके पाया जाय तो कुल हर्जोखर्चा मैय नुकसान वो पुरी करवादी जवाब देही पायबंदी मन-मोकीर रवाह वारिसान मोकीर को है वो होगा वो देना पैसे वो नुकसान तमाम वो कमाल मबलग मन-मोकीर मोकीलैहा सदर से वसूल बेबाक पा चुके हैं, रुपै मोहरा बकी नहीं रहा है।

इसलिए केवाला बैय-ला-कलामी हाजा लिख दिया कि वक्त

फिहरिस्त-तालिका

केवाला-बैय-लाकलामी (Sale deed)